राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान

National Institute for Locomotor Disabilities (Divyangjan)

(दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

Department of Empowerment of PwDs (Divyangjan), Ministry of Social Justice and Empowerment, Govt. of India

B. T. Road, Bon-Hooghly, Kolkata-700090

Department of Physiotherapy

REPORT OF HANDS-ON-WORKSHOP ON

"MANUAL THERAPY FOR LUMBO-PELVIC COMPLEX"

held on 21st & 22nd February, 2026.

A Two Days Hands-on Workshop on **"Manual Therapy for Lumbo-Pelvic Complex"** was successfully organized by the **Department of Physiotherapy**, National Institute for Locomotor Disabilities (NILD), Kolkata on **21st and 22nd February 2026**. The workshop was designed to enhance the theoretical understanding and clinical skills of physiotherapy professionals in the assessment and management of Lumbo-Pelvic Dysfunctions.

The workshop commenced with a formal inaugural ceremony. The program was inaugurated by **Dr. Lalit Narayan**, Director, NILD, in the presence of **Dr. Ameed Equebal**, Assistant Professor-cum-Assistant Director (Training), NILD, **Shri Pravin Kumar**, Assistant Professor & Head of Department (Physiotherapy), NILD, **Dr. Umasankar Mohanty**, PhD, Founder President of the Manual Therapy Foundation of India® and Resource Person of the workshop.

The ceremony began with the traditional lamp lighting, symbolizing the dissemination of knowledge and felicitation of the resource person. Shri Pravin Kumar delivered the welcome address, extending greetings to the dignitaries and participants.

In his inaugural speech, Dr. Lalit Narayan emphasized the clinical importance of manual therapy in managing musculoskeletal disorders, particularly lumbo-pelvic conditions. He highlighted that such hands-on workshops provide students and professionals with practical competencies essential for evidence-based physiotherapy practice. Dr. Ameed Equebal stressed the relevance of the topic in contemporary physiotherapy practice and underscored the need for advanced skill development among students and practitioners.

As a gesture of respect, two books authored by Dr. Umasankar Mohanty on Manual Therapy were presented to the Director, NILD.

In the first session of the Day-1 (21/02/2026), The first day began with an introductory lecture by Dr. Umasankar Mohanty on the fundamental concepts of Manual Therapy, including Principles and philosophy of manual therapy, Biomechanics of the Lumbo-Pelvic Complex, Surface anatomy of the lumbar spine and pelvic region, Grades of mobilization and their clinical applications. The session laid a strong theoretical foundation, linking anatomical structures with clinical assessment strategies.

Subsequent sessions included detailed lectures and live demonstrations of Assessment techniques for lumbo-pelvic dysfunction, Palpation skills and identification of anatomical landmarks, Lumbar spine mobilization techniques, Various mobilization glides and their indications. Each lecture was followed by hands-on practice sessions, where participants practiced the techniques under expert supervision. The interactive format allowed participants to clarify doubts and refine their manual skills.

On Day-2 (22/02/2026) the second day focused primarily on the Sacroiliac (SI) Joint and its clinical implications. The sessions included Functional anatomy and biomechanics of the SI joint, Clinical assessment of sacroiliac dysfunction, Demonstration of specific mobilization techniques and glides for SI joint, Clinical reasoning in selecting appropriate mobilization grades, Participants actively practiced all demonstrated techniques under the supervision of the resource person, ensuring proper hand placement, force direction, and patient positioning.

An evaluation test was conducted between sessions to assess the participants' understanding of theoretical concepts and clinical applications.

The workshop concluded with a valedictory session marking the successful completion of the two-day program. Certificates of participation were distributed by Dr. Lalit Narayan, Director, NILD, Dr. Umasankar Mohanty, Founder President of the Manual Therapy Foundation of India® & Resource Person along with the Head of the Department of Physiotherapy and the Resource Person. A total of 71 participants, including Physiotherapy professionals, postgraduate students, interns, final-year undergraduate students, and faculty members, actively participated in the program.

Mr. Bibhuti Sarkar, I/C Lecturer (Physiotherapy), NILD, who coordinated the entire program, delivered the vote of thanks. He expressed sincere gratitude to the Director, resource person, dignitaries, participants, and the NILD administration for their continuous support and cooperation.

The workshop provided a comprehensive platform for enhancing hands-on clinical skills in lumbo-pelvic manual therapy, strengthening clinical reasoning in musculoskeletal physiotherapy, promoting professional development and evidence-based practice, facilitating academic exchange and networking among participants. The two-day workshop was highly appreciated by the participants for its practical orientation, interactive teaching style, and clinical relevance. It significantly contributed to skill enhancement and professional growth in the field of Physiotherapy.

Several Print Media has given wide coverage to the program:

आशीष शर्मा ने बताया यह भाईचारा का प्रतीक है।

जाना, बीमारी का हॉस्पिटल पहुंचना और यहां तक कि रोजमर्रा की जरूरत का सामान खरीदना भी मुश्किल हो जाता है।

सफाई व संरक्षण पर काम किया गया है। मिशन का लक्ष्य है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती को अधिक स्वच्छ और संतुलित रूप में संरक्षित किया।

मैनुअल थेरेपी फॉर लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स पर दो दिवसीय कार्यशाला

फिजियोथेरेपी पेशेवरों के कौशल को बढ़ाना ही उद्देश्य

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोलकाता. राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने 21-22 फरवरी, 2026 को मैनुअल थेरेपी फॉर लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स पर दो दिवसीय हैंड्स-ऑन वर्कशॉप का आयोजन किया। इस वर्कशॉप का उद्देश्य फिजियोथेरेपी पेशेवरों की कौशल को बढ़ाना था, विशेष रूप से लम्बर स्पाइन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट्स से संबंधित मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं के आकलन और प्रबंधन में।

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. ललित नारायण, निदेशक, एनआईएलडी, कोलकाता ने डॉ. अमीद इकबाल, सहायक प्रोफेसर-कम-सहायक निदेशक (ट्रेनिंग), एनआईएलडी; श्री प्रवीण कुमार, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (फिजियोथेरेपी), एनआईएलडी, कोलकाता; और डॉ. उमाशंकर मोहन्ती, पीएचडी, मैनुअल थेरेपी फाउंडेशन ऑफ इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष और वर्कशॉप के रेसोर्स पर्सन की उपस्थिति में किया।

कोलकाता. मैनुअल थेरेपी फॉर लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स पर दो दिवसीय कार्यशाला में मौजूद अतिथि।

वर्कशॉप में लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स से जुड़ी मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं के आकलन और प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें लम्बर स्पाइन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट्स शामिल हैं।

फिजियोथेरेपी विभाग के कुल 71 प्रतिभागियों और संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। दो दिनों के दौरान, प्रतिभागियों ने डॉ. उमाशंकर मोहन्ती के नेतृत्व में हैंड्स-ऑन सत्रों में भाग लिया।

जिसमें निम्नलिखित विषयों को जैसे : लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स डिसफंक्शन के आकलन की तकनीकें, लम्बर स्पाइन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट्स के लिए मॉबिलाइजेशन तकनीकें, आम स्थितियों जैसे कि लो बैक पेन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट डिसफंक्शन के लिए मैनुअल थेरेपी तकनीकों का व्यावहारिक अनुप्रयोग को शामिल किया गया।

श्री बिभूति सरकार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ वर्कशॉप का समापन हुआ। एनआईएलडी, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने फिजियोथेरेपी पेशेवरों के लिए निरंतर शिक्षा और पेशेवर विकास के अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

23rd February 2026, Rajasthan Patrika

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान में वर्कशॉप का आयोजन

कोलकाता, 22 फरवरी (नि.प्र.)। राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने 21-22 फरवरी, 2026 को ''मैनुअल थेरेपी फॉर लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स'' पर दो दिवसीय हैंड्स-ऑन वर्कशॉप का आयोजन किया। इस वर्कशॉप का उद्देश्य फिजियोथेरेपी पेशेवरों की कौशल को बढ़ाना था, विशेष रूप से लम्बर स्पाइन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट्स से संबंधित मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं के आकलन और प्रबंधन में।

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. ललित नारायण, निदेशक, एनआईएलडी, कोलकाता ने डॉ. अमीद इकबाल, सहायक प्रोफेसर-कम-सहायक निदेशक (ट्रेनिंग), एनआईएलडी; श्री प्रवीण कुमार, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (फिजियोथेरेपी), एनआईएलडी, कोलकाता; और डॉ. उमाशंकर मोहन्ती, पीएचडी, मैनुअल थेरेपी फाउंडेशन ऑफ इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष और वर्कशॉप के रेसोर्स पर्सन की उपस्थिति में किया। वर्कशॉप में लम्बो-

पेल्विक कॉम्प्लेक्स से जुड़ी मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं के आकलन और प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें लम्बर स्पाइन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट्स शामिल हैं। फिजियोथेरेपी विभाग के कुल 71 प्रतिभागियों और संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। दो दिनों के दौरान, प्रतिभागियों ने डॉ. उमाशंकर मोहन्ती के नेतृत्व में हैंड्स-ऑन सत्रों में भाग लिया, जिसमें निम्नलिखित विषयों को जैसे : लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स डिसफंक्शन के आकलन की तकनीकें, लम्बर स्पाइन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट्स के लिए मॉबिलाइजेशन तकनीकें, आम स्थितियों जैसे कि लो बैक पेन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट डिसफंक्शन के लिए मैनुअल थेरेपी तकनीकों का व्यावहारिक अनुप्रयोग को शामिल किया गया। श्री बिभूति सरकार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ वर्कशॉप का समापन हुआ। एनआईएलडी, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने फिजियोथेरेपी पेशेवरों के लिए निरंतर शिक्षा और पेशेवर विकास के अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

23rd February 2026, Vishwamitra

फिजियोथेरेपी पेशेवरों के कौशल विकास पर जोर

रविवार को राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान की कार्यशाला के उद्घाटन के मौके पर विशिष्टजन● जागरण

जागरण संवाददाता, कोलकाता : राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य फिजियोथेरेपी पेशेवरों के कौशल को बढ़ाना था। कार्यशाला का उद्घाटन डा. ललित नारायण, निदेशक, एनआइएलडी, कोलकाता ने डा. अमीद इकबाल, सहायक प्रोफेसर-सह-सहायक निदेशक (ट्रेनिंग), एनआइएलडी, प्रवीण कुमार, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (फिजियोथेरेपी), एनआइएलडी, कोलकाता और डा. उमाशंकर मोहंती, पीएचडी, मैनुअल थेरेपी फाउंडेशन आफ इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष की उपस्थिति में किया। फिजियोथेरेपी विभाग के कुल 71 प्रतिभागियों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। बिभूति सरकार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

23rd February 2026, Dainik Jagran

লাম্বো-পেলভিক কমপ্লেক্সে ম্যানুয়াল থেরাপি: রাষ্ট্রীয় গতিশীল দিব্যাঙ্গজন সংস্থান-এ দুই দিনের হ্যান্ডস-অন কর্মশালা

সুপ্রভাত বাংলাঃ নিতাই মালাকারঃ কলকাতাঃ

ফিজিওথেরাপি পেশাদারদের দক্ষতা উন্নয়নের লক্ষ্যে রাষ্ট্রীয় গতিশীল দিব্যাঙ্গজন সংস্থান (এনআইএলডি), কলকাতার ফিজিওথেরাপি বিভাগ "লাম্বো-পেলভিক কমপ্লেক্সের জন্য ম্যানুয়াল থেরাপি" শীর্ষক দুই দিনের হ্যান্ডস-অন কর্মশালার আয়োজন করে।এই কর্মশালার মূল উদ্দেশ্য ছিল লাম্বার স্পাইন ও স্যাক্রো-ইলিয়াক জয়েন্ট সংক্রান্ত পেশী-অস্থি সমস্যার সঠিক মূল্যায়ন ও কার্যকর ব্যবস্থাপনা সম্পর্কে ফিজিওথেরাপি পেশাদারদের বাস্তবমুখী প্রশিক্ষণ প্রদান।অনুষ্ঠানে উপস্থিত ছিলেন প্রতিষ্ঠানের ডিরেক্টর ডঃ লালিত নারায়ণ, সহকারী অধ্যাপক ও অ্যাসিস্ট্যান্ট ডিরেক্টর (ট্রেনিং) ডঃ আমীদ ইকবাল, ফিজিওথেরাপি বিভাগের প্রধান শ্রী প্রবীন কুমার এবং কর্মশালার বিশেষজ্ঞ ব্যক্তি ডাঃ উমাশঙ্কর মোহান্তি, পিএইচডি, প্রতিষ্ঠাতা সভাপতি, ম্যানুয়াল থেরাপি ফাউন্ডেশন অফ ইন্ডিয়া।দুই দিনব্যাপী এই কর্মশালায় মোট ৭১ জন অংশগ্রহণকারী ও অনুষদ সদস্য সক্রিয়ভাবে অংশ নেন। ডাঃ উমাশঙ্কর মোহান্তির নেতৃত্বে অনুষ্ঠিত হ্যান্ডস-অন সেশনগুলোতে অন্তর্ভুক্ত ছিল—ত্রুটিপূর্ণ লাম্বো-পেলভিক কমপ্লেক্স মূল্যায়নের আধুনিক কৌশললাম্বার স্পাইন ও স্যাক্রো-ইলিয়াক জয়েন্টের জন্য মবিলাইজেশন

টেকনিকনিম্ন পিঠের ব্যথা ও স্যাক্রো-ইলিয়াক জয়েন্টজনিত সমস্যায় ম্যানুয়াল থেরাপির ব্যবহারিক প্রয়োগকর্মশালার সমাপ্তি ধন্যবাদ জ্ঞাপন এবং জাতীয় সঙ্গীতের মাধ্যমে।

23rd February 2026, Supravat Bangla

एनआइएलडी का दो दिवसीय हैंड्स-ऑन वर्कशॉप आयोजित

संवाददाता, कोलकाता

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान (एनआइएलडी) कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने 21 व 22 फरवरी को 'मैनुअल थेरेपी फॉर लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स' पर दो दिवसीय हैंड्स-ऑन वर्कशॉप का आयोजन किया. इस वर्कशॉप का उद्देश्य फिजियोथेरेपी पेशेवरों की कौशल को बढ़ाना था.

विशेष रूप से लम्बर स्पाइन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट्स से संबंधित मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं के आकलन और प्रबंधन में. कार्यक्रम का उद्घाटन कोलकाता के एनआइएलडी के निदेशक डॉ ललित नारायण ने एनआइएलडी के सहायक प्रोफेसर-कम-सहायक निदेशक (ट्रेनिंग) डॉ अमीद इकबाल, एनआइएलडी के सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (फिजियोथेरेपी) प्रवीण कुमार और मैनुअल थेरेपी फाउंडेशन ऑफ इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष पीएचडी डॉ उमाशंकर मोहंती और वर्कशॉप के रेसोर्स पर्सन की उपस्थिति में किया.

वर्कशॉप में लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स से जुड़ी मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं के आकलन और प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें लम्बर स्पाइन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट्स शामिल हैं.

फिजियोथेरेपी विभाग के कुल 71 प्रतिभागियों और संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया दो दिनों के दौरान प्रतिभागियों ने डॉ उमाशंकर मोहंती के नेतृत्व में हैंड्स-ऑन सत्रों में भाग लिया, जिसमें निम्नलिखित विषयों को जैसे : लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स डिसफंक्शन के आकलन की तकनीकें, लम्बर स्पाइन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट्स के लिए मोबिलाइजेशन तकनीकें, आम स्थितियों जैसे कि लो बैक पेन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट डिसफंक्शन के लिए मैनुअल थेरेपी तकनीकों का व्यावहारिक अनुप्रयोग को शामिल किया गया.

विभूति सरकार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ वर्कशॉप का समापन हुआ. एनआइएलडी, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने फिजियोथेरेपी पेशेवरों के लिए निरंतर शिक्षा और पेशेवर विकास के अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की.

23rd February 2026, Prabhat Khabar

ফিজিওথেরাপিস্টদের দক্ষতায় জোর

আজকালের প্রতিবেদন

ফিজিওথেরাপিস্টদের দক্ষতা বাড়াতে দুদিনের কর্মশালার আয়োজন করল কলকাতার ন্যাশনাল ইনস্টিটিউট ফর লোকোমোটর ডিসঅ্যাবিলিটিজ (দিব্যাঙ্গজন)–এর ফিজিওথেরাপি বিভাগ। ডাঃ উমাশঙ্কর মোহান্তি কর্মশালায় অংশগ্রহণকারীদের শেখালেন লাম্বার স্পাইন এবং স্যাক্রো–ইলিয়াক জয়েন্টগুলির সঙ্গে সম্পর্কিত পেশি বা হাড়ের সমস্যার কীভাবে মূল্যায়ন করতে হবে। এবং ম্যানুয়াল থেরাপি কৌশল শেখান। ডাঃ উমাশঙ্কর মোহান্তি ম্যানুয়াল থেরাপি ফাউন্ডেশন অফ ইন্ডিয়ার প্রতিষ্ঠাতা সভাপতি। শনিবার থেকে রবিবার পর্যন্ত এই কর্মশালা হয়। অনুষ্ঠানে ছিলেন কলকাতার ন্যাশনাল ইনস্টিটিউট ফর লোকোমোটর ডিসঅ্যাবিলিটিজ (দিব্যাঙ্গজন)–এর অধিকর্তা ড. লালিত নারায়ণ, এনআইএলডি'র সহকারী অধ্যাপক ও সহ–অধিকর্তা (প্রশিক্ষণ) ড. আমিদ ইকবাল,

ন্যাশনাল ইনস্টিটিউট ফর লোকোমোটর ডিসঅ্যাবিলিটিজে কর্মশালার উদ্বোধন।

এনআইএলডি'র ফিজিওথেরাপি বিভাগের প্রধান ও সহকারী অধ্যাপক প্রবীণ কুমার–সহ অন্যরা। ফিজিওথেরাপি বিভাগের মোট ৭১ জন অংশ নেন কর্মশালায়। এছাড়া আরও অনেকে ছিলেন।

23rd February 2026, Aajkal

फिजियोथेरेपी पेशेवरों के कौशल विकास पर जोर

जासं,कोलकाताः राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य फिजियोथेरेपी पेशेवरों के कौशल को बढ़ाना था। कार्यशाला का उद्घाटन डा. ललित नारायण, निदेशक, एनआइएलडी, कोलकाता ने डा. अमीद इकबाल, सहायक प्रोफेसर–सह–सहायक निदेशक (ट्रेनिंग), एनआइएलडी, प्रवीण कुमार, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (फिजियोथेरेपी), एनआइएलडी, कोलकाता और डा. उमाशंकर मोहंती, पीएचडी, मैनुअल थेरेपी फाउंडेशन आफ इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष की उपस्थिति में किया। फिजियोथेरेपी विभाग के कुल 71 प्रतिभागियों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। विभूति सरकार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन हुआ। एनआइएलडी, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने फिजियोथेरेपी पेशेवरों के लिए निरंतर शिक्षा और पेशेवर विकास के अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

23rd February 2026, Dainik Jagran (Asansol edition)